Printing Page(s): 1

Paper Code :DBA-211

Roll No.

B.A.(Hindi)-3

2nd Year Examination, Academic Batch 2018 साहित्यकार निबन्ध एवं विषेष

सहित्यकारः नाटककार "मोहन राकेष"

Time: 3 Hours]

[Max. Marks : 100

Note. Attempt any *Five* questions. All questions carry equal marks.

- Q.1 श्रीतिकाल एक सामाजिक एवं ऐतिहासिक अनिवार्यता है, इस कथन की विवेचना कीजिए?
- Q.2 हिन्दी एवं भारतीय नाट्यक्षेत्र में मोहन राकेष के योगदान का वर्णन सविस्तार कीजिए?
- Q.3 मोहन राकेष के नाटकों के आधार पर उनकी नाटकों की कथावस्तु एवं रंगमंचीय व्यवस्था पर प्रकाष डालिए?
- Q.4 मोहन राकेष एतिहासिक परिवेष में युगबोध को प्रकट करने में सफल है, इस पर प्रकाष डालिए?
- Q.5 काव्य का हेतु और प्रयोजन से क्या तात्पर्य है? आलोचना कीजिए।
- **Q.6** "उपन्यासकार मुंशी प्रेमचन्द का उदय हिन्दी साहित्य में एक ऐतिहासिक महत्वपूर्ण घटना है।" व्याख्या कीजिए।
- Q.7 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए तथा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों पर प्रकाश डालिए।
- Q.8 सामाजिक संरचना में स्त्री विमर्श से क्या आशय हं? विवेचना कीजिए।